गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

त्रिवर्षीय स्नातक (तीन मुख्य विषयों के साथ)

संस्कृत

तृतीय सेमेस्टर

अनुशासन केन्द्रित मुख्य कोर्स

DCC-III

संस्कृत नाटक

खंड 'अ' स्वप्नवासवदत्तम् अंक 1 से 4 - भास

खंड 'ब' अभिज्ञानशाकुंतलम् अंक 1 से 4 - कालिदास

खंड 'स' संस्कृत नाट्यशास्त्र से तकनीकी शब्द एवं संस्कृत नाटक का इतिहास और संस्कृत नाटक के सिद्धांत का परिचय

इकाई-वार प्रभाग:

इकाई: I स्वप्नवासवदत्तम् अंक 1 से 4 - भास

खण्ड 'अ' स्वप्नवासवदत्तम् अंक 1 से 2 - भास

परिचय, पाठ वाचन (व्याकरण, अनुवाद और स्पष्टीकरण), काव्यात्मक उत्कृष्टता, कथानक।

खण्ड 'ब' स्वप्नवासवदत्तम् अंक 3 से 4 - भास

परिचय, पाठ वाचन (व्याकरण, अनुवाद और स्पष्टीकरण), काव्यात्मक उत्कृष्टता, कथानक।

इकाई: II अभिज्ञानशाकुंतलम् अंक 1 से 4 - कालिदास

खण्ड 'अ' अभिज्ञानशाकुंतलम् अंक 1 से 2 - कालिदास

परिचय, पाठ वाचन (व्याकरण, अनुवाद और स्पष्टीकरण), काव्यात्मक उत्कृष्टता, कथानक।

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

खण्ड 'ब' अभिज्ञानशाकुंतलम् अंक 3 से 4 - कालिदास

परिचय, पाठ वाचन (व्याकरण, अनुवाद और स्पष्टीकरण), काव्यात्मक उत्कृष्टता, कथानक।

इकाई: III संस्कृत नाट्यशास्त्र से तकनीकी शब्द एवं संस्कृत नाटक का इतिहास और संस्कृत नाटक के सिद्धांत का परिचय

खण्ड 'अ' नाटक, नायक, नायिका, पूर्वरङ्ग, नान्दी, सूत्रधार, नेपथ्य, प्रस्तावना, कञ्चुकी एवं विदूषक ।

अङ्क, स्वगत, प्रकाश, अपवारित, जनान्तिक, आकाशभाषित, विष्कम्भक, प्रवेशक एवं भरतवाक्य ।

खण्ड 'ब' संस्कृत नाटक का इतिहास और सिद्धांत संस्कृत नाटक का परिचय उत्पत्ति और विकास कुछ महत्वपूर्ण नाटककार एवं नाटक: भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, हर्ष, भवभूति, और उनके कार्य।

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:

1. सुबोधचन्द्र पन्त, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ।

2. सुरेन्द्रदेव शास्त्री, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, रामनारायण बेनीप्रसाद, इलाहाबाद ।

3. नारायणराम आचार्य, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, निर्णयसागर प्रेस ।

4. C. D. Devadhar (Ed.), Abhijnanaśākuntalam, MLBD, Delhi.

5. M.R. Kale (Ed.), Abhijñanaśākuntalam, MLBD, Delhi.

6. Gajendra Gadakar (Ed.), Abhijnanaśākuntalam. 7. Ramendramohan Bose. Abhijnanaśakuntalam, Modern Book Agency.

Calcu a. 8. भागवतशरण उपाध्याय, कालिदास, कवि और काव्य, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी ।

दिल्ली । 9. हजारीप्रसाद द्विवेदी, कालिदास की लालित्य योजना, राजकमल प्रकाशन,

10. पंकज कुमार मिश्र, शाकुन्तलविषयक रम्यत्व की अवधारणा, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली ।

11. Minakshi Dalal, Con ict in Sanskrit Drama, Somaiya Publica on Pvt. Ltd.

12. Ratnamayi Dikshit, Women in Sanskrit Dramas, Meherchand Lacchman Das Delhi.

13. A.B. Keith, Sanskrit Drama, Oxford University Press London, 1970.

14. Minakshi Dalal, Con ict in Sanskrit Drama, Somaiya Publica on Pvt. Ltd. 15. G. K. Bhat, Sanskrit Drama, Karnataka University Press, Dharwar, 1975.

15. G. K. Bhat, Sanskrit Drama, Karnataka University Press, Dharwar, 1975.

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

त्रिवर्षीय स्नातक (तीन मुख्य विषयों के साथ)

संस्कृत

चतुर्थ सेमेस्टर

अनुशासन केन्द्रित मुख्य कोर्स

DCC-IV

संस्कृत व्याकरण

खंड 'अ' लघुसिद्धांतकौमुदी: संज्ञा प्रकरण

खंड 'ब' लघुसिद्धांतकौमुदी: संधि प्रकरण

खंड 'स' लघुसिद्धांतकौमुदी: विभक्ति प्रकरण

इकाई-वार प्रभाग:

इकाई: I लघुसिद्धान्तकौमुदी संज्ञाप्रकरण

खण्ड 'अ' लघुसिद्धान्तकौमुदी: संज्ञाप्रकरण

इकाई: II लघुसिद्धान्तकौमुदी: संधिप्रकरण

खण्ड 'अ' अच् संधि : यण, गुण, दीर्घ, अयादि, वृद्धि और पूर्वरूप

खण्ड 'ब' हल् संधि: श्चुत्व, ष्टुत्व, अनुनासिकत्व, चर्त्व और जश्त्व

विसर्ग संधि: उत्व, लोप, सत्व और रुत्व

इकाई: III लघुसिद्धान्तकौमुदी:विभक्त्यर्थ प्रकरण

खण्ड 'अ' विभक्त्यर्थ प्रकरण : प्रथमा से चतुर्थी विभक्ति

खण्ड 'ब' विभक्त्यर्थ प्रकरण : पंचमी से सप्तमी विभक्ति

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रमः

1. धरानन्द शास्त्री, लघुसिद्धान्तकौमुदी, मूल एवं हिन्दी व्याख्या, दिल्ली।

2. भीमसेन शास्त्री, लघुसिद्धान्तकौमुदी भैमी व्याख्या (भाग-1), भैमी प्रकाशन, दिल्ली।

3. चारुदेव शास्त्री, व्याकरण चन्द्रोदय (भाग-1, 2 एवं 3), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

4. सत्यपाल सिंह (संपा.), लघुसिद्धान्तकौमुदी: प्रकाशिका नाम्नी हिन्दी व्याख्या सहिता, शिवालिक पब्लिकेशन, दिल्ली, 2014।

5. V.S. Apte, The Students' Guide to Sanskrit Composi on, Chowkhamba Sanskrit Series, Varanasi (Hindi Transla on also available).

6. M.R. Kale, Higher Sanskrit Grammar, MLBD, Delhi (Hindi Transla on also available).

7. Kanshiram, Laghusiddhāntakaumudī (Vol. I), MLBD, Delhi, 2009.

8. Online Tools for Sanskrit Grammar developed by Computa onal Linguis cs Group, Department of Sanskrit, University of Delhi: h p://sanskrit.du.ac.in.

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बांसवाड़ा (राजस्थान)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

त्रिवर्षीय स्नातक (तीन मुख्य विषयों के साथ)

संस्कृत

पंचम सेमेस्टर

अनुशासन केन्द्रित मुख्य कोर्स

DSE / GE - I

संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय चेतना

खंड 'अ' भारतीय राष्ट्रवाद की अवधारणाएं और बुनियादी विशेषताएं

खंड 'ब' देश का नाम, राष्ट्रीय प्रतीक और राष्ट्रवाद का उदय

खंड 'स' राष्ट्रवादी विचार और आधुनिक संस्कृत साहित्य

इकाई-वार प्रभाग:

इकाई: I भारतीय राष्ट्रवाद की अवधारणाएँ और बुनियादी विशेषताएं

खण्ड 'अ' भारतीय राष्ट्र 'राष्ट्र' का अर्थ, परिभाषाएँ और तत्व:

पश्चिमी परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र का अर्थ, परिभाषाएँ और राष्ट्र के घटक तत्व। राष्ट्र की भारतीय अवधारणा: 'राष्ट्र', अर्थ, व्युत्पत्ति और परिभाषाएँ, संस्कृत साहित्य में 'राष्ट्र' के आवश्यक तत्व (अथर्ववेद, 11.9.17; 12.1,1-12 शुक्ल यजुर्वेद, 22.22) संदर्भ में 'राष्ट्र' 'सप्तांग' राज्य का सिद्धांत (कौटिल्य का अर्थशास्त्र, 6.1, महाभारत, शांतिपर्व, 56.5; शुक्रनीति, 1.61-62)

खण्ड 'ब' भारतीय राष्ट्रीयता का अर्थ, परिभाषाएँ और तत्व:

राष्ट्रीयता का अर्थ, परिभाषाएँ और राष्ट्रीयता के घटक तत्व, राष्ट्रीयता के आवश्यक कारक: राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति, स्वतंत्रता, धार्मिक सहिष्णुता, राष्ट्रीय गौरव, राष्ट्रीय चेतना और नागरिकता।

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

भारतीय राष्ट्रवाद की विशेष विशेषताएं: सामाजिक समरसता (सामाजिक समरसता), धर्मों की समानता, अंतर्राष्ट्रीय भाईचारा, विविधता में एकता और सांस्कृतिक चेतना।

इकाई: II देश का नाम, राष्ट्रीय चिह्न और राष्ट्रवाद का उदय

खण्ड 'अ' देश का नाम 'भारतवर्ष' और राष्ट्रीय चिह्न:

वैदिक और पौराणिक साहित्य में 'भारतवर्ष' के नाम के संबंध में अलग-अलग विचार, भारत के राष्ट्रीय प्रतीक: राष्ट्रीय गान-'जन गण मन', राष्ट्रीय गीत-'वंदे मातरम', भारत का राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय प्रतीक 'अशोक चक्र', राष्ट्रीय कैलेंडर भारत का 'शक संवत'।

खण्ड 'ब' भारतीय राष्ट्रवाद और स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन का उदय:

पश्चिमी विचार और शिक्षा, भारत के अतीत की पुनः खोज, सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों और दुनिया भर में समकालीन राष्ट्रीय आंदोलनों के प्रभाव के विशेष संदर्भ में आधुनिक काल में राष्ट्रवादी भावनाओं के उदय के प्रमुख कारक।

राजा राम मोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद, बंकिम चंद्र चटोपाध्याय, महात्मा गांधी, मदन मोहन मालवीय, वीर सावरकर और डॉ. बी.आर.अंबेडकर के विशेष संदर्भ में आधुनिक भारत के सामाजिक-धार्मिक राष्ट्रवादी विचारों का संक्षिप्त सर्वेक्षण।

इकाई: III राष्ट्रवादी विचार और आधुनिक संस्कृत साहित्य

खण्ड 'अ' स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में संस्कृत साहित्य का योगदान:

स्वतंत्रता से पहले आधुनिक संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवादी प्रवृत्तियों का सर्वेक्षण; स्वतंत्रता के बाद आधुनिक संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवादी प्रवृत्तियों का सर्वेक्षण।

खण्ड 'ब' आधुनिक राष्ट्रवादी विचार और गांधीवादी संस्कृत साहित्य: 'ग्राम स्वराज' (स्थानीय स्वशासन), 'सत्याग्रह' (सत्य पूर्णता), 'अहिंसा' (अहिंसा), 'प्रजातंत्र' के विशेष संदर्भ में गांधीवादी विचार की सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक पृष्ठभूमि (लोगों का लोकतंत्र) और 'धार्मिक सहिष्णुता' (धार्मिक सहिष्णुता)।

पंडिता क्षमाराव की 'सत्याग्रहगीता', मथुरा पुरोहित दीक्षित की 'भारतविजयनाटकम्', चारुदेव शास्त्री की 'गांधीचरितम', प्रोफेसर इंद्र की 'गांधी गीता' के विशेष संदर्भ में गांधीवादी विचार पर समकालीन संस्कृत साहित्य।

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बांसवाड़ा (राजस्थान)

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रमः

1. आर.पी. कंगाले (सं.), कौटिल्य का अर्थशास्त्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1965।

2. आर.टी.एच. ग्रिफ़िथ (अनुवाद), अथर्ववेद संहिता (2 खंड), बनारस, 1968।

3. एच.पी. शास्त्री (अंग्रेजी अनुवाद), महाभारत (7 खंड), लंदन, 1952-59।

4. एच.पी. शास्त्री (इंजी. ट्र.), वाल्माकी की रामायण (3 खंड), लंदन, 1952-59।

5. एच.एच. विल्सन (इंजी. ट्र.), विष्णु पुराण, पुंथी पुस्तक, कलकत्ता, 1961।

6. उदयवीर शास्त्री (अनु.), कौटिल्यीय अर्थशास्त्र, मेहरचन्द लक्ष्मनदास, दिल्ली, 1968 | 7. रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डेय (अनु.), महाभारत (1-6 भाग) हिन्दी अनुवाद सहित,

गीताप्रेस गोरखपुर ।

8. सातवलेकर, यजुर्वेद हिन्दी अनुवाद सहित, श्रीपाद दामोदर, पारडी ।

9. मुनिलाल गुप्त (अनु.), विष्णुपुराण हिन्दी अनुवाद सहित, गीताप्रेस गोरखपुर ।

10. शतपथब्राह्मण (1-5 भाग) माध्यन्दिनीय शाखा, सायणाचार्य एवं हरिस्वामी टीकासहित,

दिल्ली ।

11. ब्रह्माशंकर मिश्र, शुक्रनीति हिन्दी अनुवाद, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 1968 ।

12. पण्डिता क्षमाराव, सत्याग्रहगीता, पेरिस, 1932 ।

13.जानकीनाथ शर्मा (संपा), श्रीमद्वाल्मीकिरामायणम् (1-2 भाग) हिन्दी अनुवाद सहित, गीताप्रेस

गोरखपुर ।

14. अनूप चन्द कपूर, राजनीतिविज्ञान के सिद्धान्त, प्रीमियर पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1967 । 15.योगेन्द्र गोस्वामी (सम्पा.), राष्ट्रीय एकता और भारतीय साहित्य, काशी अधिवेशन स्मृति ग्रन्थ,

2001।

16.कुमुद टंडन, महात्मागांधीपरक संस्कृत काव्य, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 1991 ।

17. शशि तिवारी, राष्ट्रीयता एवं भारतीय साहित्य, विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली, 2007

18. शशि तिवारी, संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद एवं भारतीय राजशास्त्र, विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली,

2013।

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

19.हरिनारायण दीक्षित, संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय भावना, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2006 1 20.इकबाल नारायण, आधुनिक राजनीतिक विचारधाराएं, ग्रन्थ विकास, जयपुर, 2001

21. पुष्पेन्द्र कुमार (सम्पा.), पुराणों में राष्ट्रीय एकता, नाग प्रकाशन दिल्ली ।

22. अजय कुमार मिश्र, मथुरा प्रसाद दीक्षित के नाटक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, 2002 ।

23. बाबू गुलाब राय, राष्ट्रीयता, किताब घर दिल्ली, 1996 | 24. सत्या एम. राय, भारत में उपनिवेशवाद और राष्ट्रवाद, दिल्ली, 1953

25. एस.के. बेलवलकर, महाभारत: शांति पर्व, 1954।

26. बी. चक्रवर्ती, और आर. पांडे, आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचार, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010।

27. पी. चटर्जी, द नेशन एंड इट्स फ़्रैगमेंट्स: कोलोनियल एंड पोस्टकोलोनियल हिस्ट्रीज़, नई दिल्ली, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 1993।

28. एम.के. गांधी, द कलेक्टेड वर्क्स ऑफ महात्मा गांधी, अहमदाबाद, नवजीवन, 1958।

29. एम.एन.झा, मॉडर्न इंडियन पॉलिटिकल थॉट, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ।

30. आर. प्रधान, राज टू स्वराज, मैकमिलन, नई दिल्ली, 2008।

31. हीरालाल शुक्ल, आधुनिक संस्कृत साहित्य, दिल्ली, 2002.

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

त्रिवर्षीय स्नातक (तीन मुख्य विषयों के साथ)

संस्कृत

षष्ट सेमेस्टर

अनुशासन केन्द्रित मुख्य कोर्स

DSE / GE - II

काव्यशास्त्र और साहित्यिक आलोचना

खंड 'अ' संस्कृत काव्यशास्त्र का परिचय

खंड 'ब' काव्य-साहित्य के भेद एवं शब्द-शक्ति (शब्द की शक्ति) और रस-सूत्र

खंड 'स' अलंकार और छंद

इकाई-वार प्रभाग:

इकाई: I संस्कृत काव्यशास्त्र का परिचय

खण्ड 'अ' काव्यशास्त्र का परिचय: संस्कृत की उत्पत्ति और विकास काव्यशास्त्र, इसके विभिन्न नाम- क्रियाकल्प, आलोकरशास्त्र, साहित्यशास्त्र, सौन्दर्यशास्त्र।

खण्ड 'ब' काव्य की परिभाषा, प्रयोजन और हेतु - काव्यप्रकाश के अनुसार

इकाई: II काव्य-साहित्य के स्वरूप एवं शब्द-शक्ति

खण्ड 'अ' काव्य के रूप: दृश्य, श्रव्य, मिश्र, (चम्पू) एवं महाकाव्य, खंडकाव्य, गद्य-काव्य: कथा, आख्यायिका (साहित्यदर्पण के अनुसार)

खण्ड 'ब' शब्द और अर्थ की शक्ति/कार्य (काव्यप्रकाश के अनुसार)। अभिधा (अभिव्यक्ति/ सांकेतिक अर्थ)। लक्षणा (संकेत/ सांकेतिक अर्थ) और व्यंजना

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

इकाई: III रस-सूत्र, अलंकार एवं छंद

खण्ड 'अ' रस: भरत का रस-सूत्र और इसकी प्रमुख व्याख्याएँ, उत्पत्तिवाद, अनुमितिवाद, भुक्तिवाद और अभिव्यक्तिवाद | रस की अलौकिकता

खण्ड 'ब' अलंकार- अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, सन्देह, भ्रांतिमान, अपह्नुति, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, तुल्ययोगिता, दीपक, दृष्टान्त, निदर्शना, व्यतिरेक, इकाई: मैं समासोक्ति, स्वभावोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा, अर्थान्तरन्यास, काव्यलिंग, विभावना।

छंद- अनुष्टुप, आर्य, इंद्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, द्रुतविलंबित, उपजति, वसंततिलका, मालिनी, मंदाक्रांता, शिखरिणी, शार्दूलविकृतीता, स्रग्धरा।

अनुशंसित पुस्तकें/पाठ्यक्रम:

1. साहित्यदर्पण (अध्याय X) के अनुसार अलंकार और कविता और नाटक के निर्धारित ग्रंथों के अनुसार छंद।

2.द्विवेदी, आर.सी., द पोएटिक लाइट: , मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.1967.

3. केन पी.वी., संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास पृ.352-991,

4. केन, पी.वी., 1961, संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास और इसका हिंदी अनुवाद इंद्रचंद्र शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली द्वारा।

5. काव्यप्रकाश, कारिकाएँ 4/27, 28 व्याख्यात्मक टिप्पणियों के साथ।

6. रे, शरद रंजन, साहित्यदर्पण; विश्वनाथ, (अध्याय I, VI और X) इंजीनियरिंग के साथ। प्रदर्शनी, दिल्ली।

7. साहित्यदर्पण: (अध्याय 6), कारिका 6/1,2,313-37

8. नगेन्द्र, (सं०), काव्यप्रकाश : मम्मटकृत आचार्य विश्वेश्वर की व्याख्या सहित, ज्ञानमंडल लि०, वाराणसी 52.

9. शालिग्राम शास्त्री, साहित्यदर्पण: (व्या०), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.

10. बलदेव उपाध्याय, संस्कृत — आलोचना, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उ. प्र., 1963.

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बांसवाड़ा (राजस्थान)